अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र में भेड़ एवं बकरी पालन प्रशिक्षण आयोजित

संगरिया, हनुमानगढ़। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा 22-26 सितम्बर, 2026 के दौरान अनुसूचित जाति उपयोजनान्तर्गत किसानों के लिए भेड़ एवं बकरी पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 8 महिला एवं 18 पुरुष प्रतिभागी शामिल रहे। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त वैज्ञानिक जानकारी का उपयोग अपनी पशुपालन इकाई में व्यावहारिक रूप से किया जाना चाहिए। उन्होंने किसानों से प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वैज्ञानिक एवं व्यवस्थित तरीके से भेड़ एवं बकरी पालन अपनाने, उचित नस्ल चयन, संतुलित आहार, स्वच्छ आवास, समय पर टीकाकरण तथा बेहतर प्रजनन एवं विपणन प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया।

डॉ. मुकेश कुमार, विषय विशेषज्ञ (पशु विज्ञान) ने प्रतिभागियों को भेड़ एवं बकरी पालन से संबंधित विभिन्न वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने विभिन्न उन्नत एवं उपयोगी नस्लों की पहचान, आवास एवं आवास प्रबंधन, आहार एवं पोषण प्रबंधन, प्रजनन प्रबंधन, विपणन व्यवस्था तथा रोगों की पहचान एवं रोकथाम के बारे में विस्तार से प्रशिक्षण दिया। साथ ही, पशुओं के नियमित टीकाकरण एवं समय पर स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

वैज्ञानिक पद्धति से भेड़ एवं बकरी पालन करने से पशुपालक उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के साथ अपनी आय में भी सुधार कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए उन्हें व्यावहारिक स्तर पर अपनाई जाने वाली विभिन्न तकनीकों की जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम का उद्देश्य अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को भेड़ एवं बकरी पालन की वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराकर उन्हें स्वरोजगार एवं आयवर्धन के अवसरों से जोड़ना रहा।